Literacy for a Billion

Movie: Ram Teri Ganga Maili
Year: 1985

Song: Husn Pahadon Ka
Lyricist: Ravindra Jain

हुस्न पहाड़ों का
ओ सायबा
हुस्न पहाड़ों का
क्या कहना कि बारों महीने
यहाँ मौसम जाडों का
क्या कहना कि बारों महीने
यहाँ मौसम जाडों का

रुत ये सुहानी है मेरी जाँ
रुत ये सुहानी है
कि सर्दी से डर कैसा
संग गर्म जवानी है
कि सर्दी से डर कैसा
संग गर्म जवानी है
खिले खिले फूलों से
हरी भरी वादी
रात ही रात में
किसने सजा दी
लगता है जैसे
यहाँ अपनी हो शादी
लगता है जैसे
यहाँ अपनी हो शादी

क्या गुलबूटे हैं
पहाड़ों में ये कहते हैं
परदेसी तो झूठे हैं
तुम पर परदेसी
किधर से आए
आते ही मेरे
मन में समाए
करूँ क्या हाथों से
मन निकला जाए
करूँ क्या हाथों से
मन निकला जाए

छोटे छोटे झरने हैं
कि झरनों का पानी छूके
कुछ वादे करने हैं
झरने तो बहते हैं
क़सम ले पहाड़ों की
जो क़ायम रहते हैं

हो हाथ हैं हाथों में
कि रस्ता सज ही गया
इन प्यार की बातों में
दुनिया ये गाती है
सुनो जी
दुनिया ये गाती है
कि प्यार से रस्ता तो क्या
ज़िन्दगी कट जाती है
कि प्यार से रस्ता तो क्या
ज़िन्दगी कट जाती है

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.